अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 विदेश मंत्री एस जयशंकर की पाक यात्रा से बना पॉजिटिव संकेत,...
6 कौन है वो खिलाड़ी... जिसे सीरीज के बीच में किया गया टीम में शामिल...
7 आमजन के प्रति पुलिस सजग, संवेदनशील और विनम्र रहे -राज्यपाल श्री पटेल...

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 11 | अंक-37 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 22 अक्टूबर से 28 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ-8 | मूल्य -2

फ्लाइट्स को बम की फर्जी धमकी देने वालों पर ऐक्शन, सरकार ने लिया बड़ा फैसला

भारत सरकार ने एयरलाइंस को मिल रही बम की धमकियों के बढ़ते मामलों पर काबू पाने के लिए कड़ा कदम उठाने का निर्णय लिया है। नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने घोषणा की है कि दोषियों को नो-फ्लाई लिस्ट में डालने पर विचार किया जाएगा और उड्डयन सुरक्षा नियमों में संशोधन की योजना है।

नई दिल्ली- भारत सरकार ने एयरलाइंस को मिल रही बम की धमकियों के बढ़ते मामलों पर लगाम लगाने के लिए कड़ा कदम उठाने का फैसला किया है। नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने सोमवार को घोषणा की कि सरकार ऐसे मामलों में शामिल दोषियों को नो-फ्लाई लिस्ट में डालने पर विचार कर रही है। इसके लिए उड्डयन सुरक्षा नियमों में बदलाव भी किया जा सकता है। पिछले करीब एक सप्ताह में भारतीय विमानन कंपनियों की करीब 100 उड़ानों में बम रखे होने की धमकियां मिली हैं।

विमानन सुरक्षा एक्ट में संशोधन की योजना

नायडू ने कहा कि सरकार विमानन सुरक्षा नियमों और 'नागरिक विमानन सुरक्षा

के विरुद्ध गैर-कानूनी कृत्यों का दमन अधिनियम, 1982' में संशोधन करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) विमानों में बम रखे होने की धमकियां मिलने के मुद्दे पर लगातार गृह मंत्रालय से संपर्क बनाए हुए है।

गांदरबल में टेररिस्ट अटैक को बताया उग्रवादियों का हमला, उमर अब्दुल्ला के ट्वीट पर घमासान

जम्मू कश्मीर के आतंकी हमले में सात लोगों की मौत के बाद सीएम उमर अब्दुल्ला ने एक ट्वीट किया और एक शब्द टेररिस्ट को लेकर वह सोशल मीडिया में लोगों के निशाने पर आ गए। लोगों ने उन्हें याद दिलाया कि आप अब एक्स सीएम नहीं है बल्कि एक राज्य के मुख्यमंत्री हैं, इसलिए टेररिस्ट को मिलिटेंट बताना सही नहीं है।

श्रीनगर- जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग में सात मजदूरों की आतंकी हमले में मौत के बाद ट्वीट से अफसोस जताने वाले जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला की काफी आलोचना हो रही है। दरअसल वारदात के बाद ट्वीट के जरिये उमर अब्दुल्ला ने आतंकी घटना को उग्रवादी हमला बता दिया। उन्होंने ट्वीट में लिखा कि सोनमर्ग क्षेत्र के गगनगीर में गैर-स्थानीय मजदूरों पर कायरतापूर्ण और कायरतापूर्ण हमले की बहुत दुखद खबर है। सीएम ने इसे उग्रवादी हमल बताया

जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री ने आगे लिखा कि ये लोग इलाके में एक प्रमुख बुनियादी इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे। इस उग्रवादी हमले में 2 लोग मारे गए हैं और 2-3 अन्य घायल हुए हैं। मैं निहत्थे निर्दोष लोगों पर इस हमले की कड़ी निंदा करता हूं और उनके प्रियजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।

पीएम मोदी के रूस जाने से पहले भारत ने चीन को लेकर की अहम घोषणा

भारत और चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर सैनिकों की पट्रोलिंग को लेकर एक समझौते पर पहुँच गए हैं.

पीएम नरेंद्र मोदी के ब्रिक्स समिट में रूस जाने से पहले भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को विशेष प्रेस कॉन्फ़्रेंस का आयोजन किया था.विक्रम मिस्री ने प्रेस कॉन्फ़्रेंस में कहा पिछले कई हफ़्तों से भारत और चीन के बीच राजनयिक स्तर के साथ सैन्य स्तर पर भी बातचीत हो रही थी. इसी का नतीजा है कि दोनों देश एलएसी पर सैनिकों की गश्त को लेकर एक समझौते पर पहुँचे हैंविक्रम मिस्री को उम्मीद है कि इस समझौते के बाद भारत-चीन सीमा से दोनों देशों के सैनिक पीछे हटेंगे और साल 2020 में एलएसी पर जो विवाद शुरू हुआ था, उसका समाधान मिल सकेगा.भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को एनडीटीवी से कहा, 2020 में भारत के सैनिक चीन से लगी सरहद पर जहाँ तक पट्रोलिंग करते थे, वहाँ फिर से कर पाएंगे.

MVA से बाहर होगी उद्धव ठाकरे की पार्टी? महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रभारी ने दिया ऐसा जवाब

महाविकास अघाड़ी में सीट शेयरिंग फाइनल करने की कवायद जारी है. महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली तक बैठकों का दौर चल रहा है. महाराष्ट्र में सीट शेयरिंग को लेकर एमवीए के घटक दल कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) के बीच सीट शेयरिंग अभी तक फाइनल नहीं हुई है. उद्धव ठाकरे की पार्टी अपनी मांग के साथ अड़ी हुई है. इस बीच महाराष्ट्र कांग्रेस के इंचार्ज रमेश चेन्निथला से सवाल किया गया कि क्या शिवसेना (यूबीटी) महाविकास अघाड़ी से बाहर निकल जाएगी?

इस सवाल पर उन्होंने कहा कि महाविकास अघाड़ी इस चुनाव में एक साथ लड़ेगी. यहां कोई भी मतभेद नहीं है. सीटों की चर्चा चल रही है. सब ठीक हो जाएगा. उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में हम सरकार भी बनाएंगे. चेन्निथला ने कहा, शाम पांच बजे सीईसी की मीटिंग है. उसके पहले स्टेयरिंग कमेटी की मीटिंग चली. सीईसी में कुछ सीटों के बारे में फैसला लिया जाएगा. स्टेयरिंग कमेटी में कितनी सीटों पर चर्चा हुई, इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जब लिस्ट आएगी तब आपको पता चल जाएगा.

मदरसों को बंद करने की NCPCR की सिफारिश पर रोक, मिलती रहेगी फंडिंग

NCPCR ने अपनी हालिया रिपोर्ट में मदरसों की कार्यप्रणाली पर गंभीर चिंता जताई थी और सरकार द्वारा उन्हें दी जाने वाली धनराशि को रोकने का आह्वान किया था. ह्ष्टक्क्ष्टत्र की इस सिफारिश पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है. कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया है

मदरसों को बंद करने की राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (ह्ष्टक्क्ष्टत्र) की सिफारिश पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है. चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी परदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने ह्ष्टक्क्ष्टत्र की सिफारिश पर कार्रवाई करने से मना कर दिया. इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी किया है. चार हफ्ते बाद फिर सुनवाई होगी.

संपादकीय

विदेश मंत्री एस जयशंकर हाल ही में पाकिस्तान गए थे। यह दौरा स्थ्ह शिखर सम्मेलन के लिए था। विदेश मंत्री ने पाकिस्तान के साथ रिश्तों में सकारात्मकता पर जोर दिया, हालांकि उन्होंने द्विपक्षीय बातचीत से परहेज किया। पाकिस्तानी मीडिया ने इसे दोस्ती की दिशा में एक कदम बताया। नवाज शरीफ ने भी इस बारे में सकारात्मक बयान दिया है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर की पाक यात्रा से बना पॉजिटिव संकेत, नवाज शरीफ ने कहा-PAKआतंक पर कसे शिकंजा

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर की हालिया पाकिस्तान यात्रा ने दोनों देशों के रिश्तों में जिस तरह पॉजिटिविटी का माहौल बनाया है, वह इस बात का अच्छा उदाहरण है कि बेहद प्रतिकूल हालात में भी कुशल डिप्लोमेसी से कुछ न कुछ बेहतर नतीजे हासिल किए जा सकते हैं। हालांकि यह पॉजिटिविटी कब तक कायम रहती है और द्विपक्षीय रिश्तों को कितनी गर्मजोशी दे पाती है, यह देखना अभी बाकी है।

शिखर बैठक में विदेश मंत्री

शांघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (स्थ्ह) की शिखर बैठक के सिलसिले में विदेश मंत्री का पाकिस्तान जाना अपने आप में इस बात का उदाहरण था कि दोनों देशों के बीच रिश्ते अच्छे नहीं हैं। कायदे से इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शिरकत होनी चाहिए थी, लेकिन स्थिति यह थी कि विदेश मंत्री जयशंकर के रूप में एक वरिष्ठ मंत्री का जाना भी एक पॉजिटिव डिवेलपमेंट माना गया। खुद जयशंकर ने भी जाने से पहले ही साफ कर दिया था कि इस यात्रा में द्विपक्षीय रिश्तों पर किसी तरह की बातचीत वह नहीं करने वाले हैं। इसके बावजूद पाकिस्तानी मीडिया में इसे दोस्ती की तरफ बढ़ा कदम माना गया। इसके बाद अब नवाज शरीफ का इस सिलसिले में आया बयान भी पॉजिटिव है।

पिछली यात्रा का अनुभव

विदेश मंत्री जयशंकर की पाकिस्तान में मौजूदगी में निहित शालीनता और गरिमा को रेखांकित करना हो तो इसे पिछले साल हुई पाकिस्तानी के तत्कालीन विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी की यात्रा के संदर्भ में देखना होगा। वह भी स्थ्ह के विदेशमंत्रियों की बैठक के ही सिलसिले में आए थे। वह भी 12 साल के अंतराल के बाद पाकिस्तान के किसी वरिष्ठ नेता की भारत यात्रा थी। लेकिन वह यात्रा उनके तीखे और कड़वे बयानों के लिए चर्चित हुई। उससे दोनों देशों के रिश्तों की गुत्थी सुलझाने में कोई मदद नहीं मिली।

रिश्ते सुधारने की अपील

इसके उलट जयशंकर ने न केवल स्थ्ह के मंच का इस्तेमाल विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मसलों पर भारत के स्टैंड की अहमियत समझाने में की, बल्कि अपने बॉडी लैंग्वेज और व्यक्तित्व से मेजबान को भी प्रभावित किया। यही वजह रही कि उनके लौटने के बाद पाकिस्तान में सत्तारूढ़ क्र्रू (ह) के सबसे बड़े नेता और तीन बार के पीएम नवाज शरीफ ने भारत के साथ रिश्ते सुधारने का आह्वान कर दिया। उन्होंने न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछली पाकिस्तान यात्रा को भावुक अंदाज में याद किया बल्कि मोदी के खिलाफ की गई घटिया बयानबाजी के लिए पूर्व पीएम इमरान खान की भी लानत-मलामत की।

माहौल तो बना निश्चित रूप से इस तरह की पहलकदमी का अपना महत्व है। इनसे रिश्तों को बेहतरी की दिशा देने वाले प्रयासों के अनुकूल माहौल बनता है। लेकिन रिश्तों की बेहतरी वास्तव में बहुत सी अन्य बातों पर निर्भर करती है। भारत-पाकिस्तान के रिश्तों में सबसे बड़ा मसला है आतंकवाद को वहां मिल रहा संरक्षण। देखना होगा कि पाकिस्तान के मौजूदा निजाम इस मोर्चे पर कितने ठोस कदम उठाते और कितना भरोसा जगा पाते हैं।

संपादक-
गोपाल गावंडे

राजनीति

मोदी की महानता के गुण गा रहीं प्रियंका चतुर्वेदी कहीं ठाकरे को ठुकराने तो नहीं जा रहीं?

प्रियंका चतुर्वेदी के बयान पर बवाल तो होना ही था. जिसे उद्धव ठाकरे राज्यसभा भेजते हों, वो नरेंद्र मोदी की तारीफ करेगा तो इरादों पर संदेह पैदा होगा ही - सवाल ये है कि ये सब प्रियंका चतुर्वेदी के मन की बात है, या महाराष्ट्र में कुछ राजनीतिक समीकरण बदलने वाले हैं?

प्रियंका चतुर्वेदी के बयान से सोशल मीडिया पर तहलका मचा हुआ है. सोशल साइट ङ्ग पर उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे को टैग करके लोग सवाल पूछ रहे हैं, आखिर उनके मुंह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए तारीफ के लफ्ज निकले कैसे - पहले तो वो ऐसी न थीं!

असल में, प्रियंका चतुर्वेदी से एक पॉडकास्ट में उनके फेवरेट लीडर के बारे में पूछा गया था, लेकिन जो जवाब राज्यसभा सांसद ने दिया वैसी न तो सवाल पूछने वाले की अपेक्षा रही होगी, और न ही उन लोगों को जो इंटरव्यू देख रहे होंगे.

प्रियंका चतुर्वेदी ने बगैर किसी लाग लपेट के सीधे सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश का सबसे महान नेता तो बताया ही, कुछ देर तक उनकी तारीफ में कसीदे भी पढ़ती रहीं - प्रियंका चतुर्वेदी के बयान पर हर किसी को आश्चर्य हो रहा है, क्योंकि ये बात प्रियंका चतुर्वेदी ने ऐन महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बीच कही है.

चुनावी राज्य में, ये सब किसी नये राजनीतिक समीकरण बनने के संकेत तो नहीं हैं?

प्रियंका ने मोदी की तारीफ क्यों की है?

पॉडकास्ट में प्रियंका चतुर्वेदी से उनके पसंदीदा नेता के बारे में पूछा गया तो लगा वो उद्धव ठाकरे का नाम लेंगी. ऐसे ख्याल भी होंगे कि वो शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे को अब तक का महानतम लीडर बताएं. अगर उद्धव ठाकरे नहीं तो आदित्य ठाकरे का नाम लेतीं, भविष्य को ध्यान में रखते हुए - लेकिन जवाब सुनकर तो ऐसा लगा जैसे वो सात समंदर पार पहुंच गई हैं.

प्रियंका चतुर्वेदी ने, दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को महान राजनेता बताया है. कहती हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लोगों से कनेक्ट होने में महारथ हासिल है, खासकर युवाओं और महिलाओं से.

केंद्र में तीसरी बार बीजेपी की सरकार बनने में वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अहम रोल मानती हैं. बीजेपी को मिली कम सीटों की बात वो करती तो हैं, लेकिन उसे लोकसभा चुनाव के बाद सबसे बड़ी पार्टी बनाने का क्रेडिट भी मोदी को ही देती हैं. बताती हैं, वो लगातार तीसरे लोकसभा चुनाव में वोटर को अपने पाले में लाने में कामयाब रहे. एक बड़े वोट बैंक को प्रभावित किया.

अब सवाल ये उठता है कि प्रियंका चतुर्वेदी ये सब क्यों कह रही हैं? क्या ऐसा बोलकर वो अपने बारे में कोई संकेत देना चाहती हैं? या वो महाराष्ट्र की राजनीति में किसी नये बदलाव की तरफ इशारा कर रही हैं?

शिव सेना (यूबीटी) से पहले प्रियंका चतुर्वेदी कांग्रेस की प्रवक्ता हुआ करती थीं. उस दौरान वो टीवी पर कांग्रेस के लिए खूब लड़ती रहीं, और युवाओं में उनकी अच्छी खासी फॉलोविंग हो गई थी - और ये सिलसिला करीब 10 साल तक चलता रहा.

जैसे वो बीजेपी के खिलाफ आक्रामक नजर आती हैं, वैसे ही पहले भी हमलावर देखी जाती रहीं, सिर्फ कुछ दिनों को छोड़ कर. 2019 के आम चुनाव के बीच ही प्रियंका चतुर्वेदी ने कांग्रेस छोड़ दी थी, तब महाराष्ट्र में वोटिंग भी नहीं हुई थी - और तब कम से कम दो वजहें सामने आई थीं.

एक वजह तो मथुरा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के दुर्व्यवहार की घटना थी, और दूसरी उनकी चुनाव लड़ने की इच्छा का ख्याल नहीं रखा जाना. मथुरा में प्रियंका चतुर्वेदी ने एक प्रेस कांफ्रेंस की थी, जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया था. प्रियंका चतुर्वेदी की शिकायत के बाद 8 नेताओं को तत्काल प्रभाव से कांग्रेस से निलंबित कर दिया गया. जब कुछ ही दिन बाद, माफी मांगने पर नेताओं को बहाल कर दिया गया तो प्रियंका चतुर्वेदी को बहुत बुरा लगा, और उन्होंने कांग्रेस छोड़ने का फैसला कर लिया.

दूसरी वजह उनको मुंबई नॉर्थ लोकसभा सीट से टिकट न दिया जाना माना गया. जब कांग्रेस ने उस सीट पर फिल्म अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर को उतार दिया, तो प्रियंका चतुर्वेदी हद से ज्यादा नाराज हुई, और कांग्रेस को अलविदा कह दिया - और उसी बीच शिवसेना से उनकी बातचीत हुई, और बात बन गई.

लेकिन, शिवसेना में जाने से पहले प्रियंका चतुर्वेदी ने बीजेपी में जाने की खूब कोशिश की थी, लेकिन तब स्मृति ईरानी उनके रास्ते की दीवार बन गईं. प्रियंका चतुर्वेदी ने बीजेपी के खिलाफ तो जो कुछ कहा था, उसके स्मृति ईरानी को लेकर एक गाना गा दिया था. वो गाना क्या, स्मृति ईरानी के टीवी सीरियल क्योंकि सास भी कभी बहू थी का टाइटल सॉन्ग था.

प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा था, एक नया धारावाहिक आने वाला है, %क्योंकि... भी कभी ग्रेजुएट थी!और उसके साथ ही गाकर सुनाया था, क्वालिफिकेशन के भी रूप बदलते हैं... नये नये सांचे में ढलते हैं, एक डिग्री आती है, एक डिग्री जाती है... बनते एफिडेविट नहीं हैं.माना जाता है कि यही पैरोडी प्रियंका चतुर्वेदी के बीजेपी जाने के रास्ते में नो-एंट्री का बोर्ड साबित हुई.

अब सवाल ये उठ रहा है, प्रियंका चतुर्वेदी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करके क्या बीजेपी में जाने का रास्ता बनाया है?

ये सवाल इसलिए भी स्वाभाविक है क्योंकि स्मृति ईरानी बीजेपी में हाशिये पर नजर आ रही हैं. ये सब उनके अमेठी में एक कांग्रेस कार्यकर्ता से चुनाव हार जाने की वजह से हुई है. हालांकि, स्मृति ईरानी को बीजेपी के सदस्यता अभियान के दौरान दिल्ली में कुछ जिम्मेदारियां दी गई थीं, लेकिन वो कोई खास महत्व के नहीं लगते.

क्या टूटे दिल फिर मिल रहे हैं

प्रियंका चतुर्वेदी के लिए शुरू में शिवसेना में थोड़ी मुश्किल जरूर हुई होगी, क्योंकि तब शिवसेना और बीजेपी का गठबंधन था. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद वो गठबंधन टूट गया, और प्रियंका चतुर्वेदी के लिए पुरानी आइडियोलॉजी के साथ काम करना आसान हो गया, लेकिन अब उसमें भी थोड़ा ट्विस्ट नजर आ रहा है.

युवक को चाकू मारा

इन्दौर । गोविंद पिता कृष्ण कुमार सोलंकी निवासी प्रजापत नगर ने पुलिस को बताया कि क्षेत्र में रहने वाले गोपाल पिता शंकर मालवीय ने पैसे के लेनदेन की बात को लेकर चाकू मार दिया और धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

टक्कर से दो घायल

इन्दौर । विजयनगर चौराहे पर एक्टिवा सवार दीपक पिता मुन्नालाल कौशल और अशोक पिता बसंत वर्मा को कार ने टक्कर मार दी। जिसमें दोनों घायल हो गए।पुलिस ने चालक के खिलाफ केस दर्ज किया।

पांच गंजेड़ी धराएं

इन्दौर । बाणगंगा पुलिस ने कालिंदी गोल्ड सिटी के पास गांजा पीते हुए मनोज यादव देवेंद्र चौहान विजय सिसोदिया पवन मालवीय और कमलेश पाल को पकड़ा। इनके पास से नशे की पुड़िया बरामद की सभी के खिलाफ के केस दर्ज किया है।

किशोर का अपहरण

इन्दौर । भवानीपुर कॉलोनी में रहने वाले महेश पिता ओमप्रकाश शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका 14 वर्षीय बेटा आर्यन को अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर ले गया। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज किया।

हथियार सहित चार बंदी

इन्दौर । छोटी ग्वालटोली पुलिस ने राजेश पिता घनश्याम वर्मा से तलवार और श्याम पिता जगदीश चौहान से चाकू बरामद किया इसी प्रकार जूनी इंदौर पुलिस ने विनोद सोलंकी से गुप्ति और यशवंत कौशल से तलवार बरामद की है।सभी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

व्यापारी को धमकाया

इन्दौर । छावनी अनाज मंडी में व्यापार करने वाले राजेंद्र पिता मोहनलाल गोयल ने पुलिस को बताया कि विजय चौधरी ने पैसे के लेनदेन की बात को लेकर उसे फोन पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया।

बहू के साथ मारपीट

इन्दौर । अहिर खेड़ी में रहने वाली सुनीता भारद्वाज 30 साल की रिपोर्ट पर पति कैलाश सास संगीता भारद्वाज ससुर हेमंत भारद्वाज के खिलाफ केस दर्ज किया। सुनीता ने पुलिस को बताया कि मायके से दहेज नहीं लाने पर उसके साथ मारपीट की और घर से निकाल दिया।

महिला किशोरी से छेड़छाड़

इन्दौर । दिग्विजय मल्टी में रहने वाली महिला के साथ छेड़छाड़ करने वाले सुरेश साहू के खिलाफ केस दर्ज किया इसी प्रकार पाटनीपुरा में रहने वाली किशोरी के साथ धर्मेंद्र यादव ने छेड़छाड़ की। पुलिस ने केस दर्ज किया।

कार्य के कांच फोड़े

इन्दौर । सुदामा नगर 60 फीट रोड पर रहने वाले प्रशांत पिता अरविंद मेहता ने पुलिस को बताया कि घर के बाहर खड़ी उसकी कार के कांच देर रात अज्ञात बदमाश ने फोड़ दिए।पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया।

तड़ीपार धराया

इन्दौर । लसूडिया पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दिनेश उर्फ कालू पिता किशनलाल पवार 45 साल निवासी स्कीम नंबर 78 पड़ा तलाशी में चाकू बरामद किया। पुलिस ने दिनेश को पिछले दिनों 6 महीने के लिए जिला बदर किया था।

गांजा सहित दो बंदी

इन्दौर । हीरानगर पुलिस ने रविदासपुरा में रहने वाले कमल पिता रामचंद्र मालवीय और संदीप पिता चंद्रकांत वर्मा को पकड़ा इनके पास से 730 ग्राम गांजा बरामद किया है। दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

एक्टिवा चोर धराया

इन्दौर । राहुल पिता शिवकुमार दुबे निवासी टेलीफोन नगर की पलासिया चौराहे से एक्टिव चुरा कर ले जाते हुए शुभम पिता विष्णु साहू को रंगे हाथों पकड़ कर पुलिस के हवाले किया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

क्राइम ब्रांच को मिली सफलता

ऑनलाइन सट्टा चलने वाली गैंग धराई, 9 गिरफ्तार

आरोपियों से 20 मोबाइल दो लैपटॉप 8 एटीएम कार्ड और नगदी बरामद किए

इंदौर । क्राइम ब्रांच ने मुखबिर की सूचना पर राहु क्षेत्र के सिलिकॉन सिटी के एक मकान पर छापा मार कर ऑनलाइन सत्ता चलाने वाली अंतरराज्य गैंग के नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से ऑनलाइन सट्टे के हिसाब किताब का करोड़ों रुपए का लेखा-जोखा बरामद किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता ने ऑनलाइन जुआ सट्टा एवं अन्य वेद गतिविधियां चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश पुलिस और क्राइम ब्रांच को दिए हैं। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया को सूचना मिली थी कि सिलिकॉन सिटी में ऑनलाइन गेमिंग का सट्टा संचालित किया जा रहा है। उनके निर्देश पर क्राइम ब्रांच की टीम ने छापा मारा तो आरोपियों में हड़कंप मच गया। टीम ने यहां से धीरज राठौर निवासी अलीराजपुर चंदन मोर निवासी गोरखपुर नितिन गर्ग निवासी जबलपुर दीपक कुशवाह निवासी जबलपुर भारत सिंह निवासी बिहार विशाल बागड़ी निवासी बालाघाट अमन पाटिल निवासी नागपुर विजयपाल निवासी अलीराजपुर और आकाश निवासी दुर्ग छत्तीसगढ़ को गिरफ्तार किया है।

दंडोतिया के मुताबिक आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह लोटस अप के माध्यम से विभिन्न खेलों में इंटरनेट से ग्राहकों को आईडी बनाकर ऑनलाइन सट्टा खिलवाना कबूल किया है।

आरोपियों ने बताया कि देश के कई शहरों में इस तरह का नेटवर्क फैला है जहां इस तरह के ऑनलाइन ठगी के सेंटर चल रहे हैं।

आरोपियों के पास से 20 मोबाइल फोन दो लैपटॉप 8 एटीएम कार्ड और 18 हजार रुपए नगद एवं ऑनलाइन सट्टे के हिसाब किताब का करोड़ों रुपए का लेखा-जोखा जप्त किया है। आरोपियों से अपराध से जुड़े अन्य मामलों में भी पूछताछ की जा रही है।

कारखाने की डीपी में आग लगी

इंदौर । औद्योगिक क्षेत्रसांवेर रोड पर कल शाम एक कारखाने की डीपी में अचानक आग लग गई। आग से वहां बिजली गुल हो गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया।

फायर ब्रिगेड कंट्रोल रूम के मुताबिक शाम करीब 7 बजे इंडो-जर्मन टूल्स के समीप एक कारखाने की डीपी में आग की सूचना मिली थी। कारखाना मालिक का नाम सैफुद्दीन अंसारी बताया गया है। फायर ब्रिगेड की टीम ने वहां पहुंचकर दो हजार लीटर पानी और ड्राय केमिकल की मदद से आग पर काबू पा लिया। आग में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। इसी प्रकार बीती रात राजीव गांधी चौराहे के पास एक दुकान में आग लग गई सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दमकल पहुंची और आग पर काबू पाया। दुकान संचालक बलवीर सिंह के मुताबिक आग मैं 50 हजार से अधिक के पार्ट्स जल गए।

युवक के सिर पर बदमाशों ने चाकू मारा

इंदौर । विजयनगर थाना क्षेत्र में शराब दुकान पर हुए विवाद में एक युवक पर बदमाशों ने चाकू से जानलेवा हमला किया और फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार विवाद स्कीम नंबर 54 स्थित शराब दुकान पर हुआ। पुलिस के मुताबिक घायल का नाम निलेश पिता राजेंद्र कुमार तिवारी 38 साल निवासी न्यू वैभव लक्ष्मी नगर है। निलेश की रिपोर्ट पर जीतू और सोनू निवासी मेघदूत नगर के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। निलेश ने पुलिस को बताया कि वह स्कीम नंबर 54 में शराब दुकान पर ड्रिंक करने के लिए गया था वहां काउंटर वाले काका से दो-तीन लड़के विवाद कर रहे थे मैंने उनसे कहा कि यहां पर चिल्ला चोट मत करो इसी बात को लेकर आरोपियों ने मेरे साथ गाली गलौज की और कहा की तू बहुत ज्यादा तेज चल रहा है। फिर एक बदमाश ने पकड़ा और दूसरे ने उसके सिर पर चाकू मार दिया जिसमें सर से खून निकलने लगा इसके बाद दोनों धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस दोनों की तलाश कर रही है।

पुराने विवाद को लेकर घर में घुसकर रॉड और डंडों से पीटा

इंदौर । गांधी नगर इलाके में पुराने विवाद को लेकर आरोपियों ने युवक को घर में घुसकर रॉड और डंडों से पीटा और घायल कर दिया। हमले के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मारपीट की घटना गत 13 अक्टूबर को कस्तूर नगर में हुई। घायल का नाम मोहित सोलंकी पिता दिनेश सोलंकी है। उसके बयान के बाद पुलिस ने कल आरोपी अनिल चौधरी, विमलकांत उर्फ चिन्टू तिवारी, इंदर कुशवाह और आयुषमान तिवारी निवासी गांधी नगर के खिलाफ केस दर्ज किया है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि घटना दिनांक को मैं घर पर था। तभी आरोपी मेरे घर पर आए और पुराने विवाद को लेकर गालियां दी। बोले कि आज कल तू ज्यादा तेज चल रहा है। मैंने बोला कि तुम लोग मुझे गाली क्यों दे रहे हो। इस पर आरोपियों ने मेरे हाथ पकड लिए और मुझे लोहे रॉड और डंडे से पीटा। हमले में दोनों पैरो के घुटने और कमर में चोट लगी। मारपीट के बाद आरोपियों ने धमकाया कि आइंदा तेज चला तो जान से मार देंगे। धमकी के बाद आरोपी भाग गए।

युवती के साथ किया बलात्कार

टेली परफॉर्मेंस कंपनी में काम के दौरान हुई थी पहचान

इंदौर । एमआईजी पुलिस ने युवती की रिपोर्ट पर उसके दोस्त के खिलाफ बलात्कार सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पीड़िता का आरोप है कि युवक ने शादी का झांसा देकर कई बार शारीरिक संबंध बनाएं फिर शादी की बात से इनकार कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 30 वर्षीय सिमरन बदला हुआ नाम की रिपोर्ट पर आरोपी जयेश सरवटे के खिलाफ एमआईजी पुलिस ने केस दर्ज किया है। सिमरन ने पुलिस को बताया कि टेलीपरफारमेंस में काम के दौरान 20 16 में आरोपी से उसकी पहचान हुई। बातचीत के दौरान एक दूसरे को पसंद करने लगे दोनों अधिकांश साथ में घूमने फिरने भी जाते थे। सिमरन ने बताया कि जयेश अक्सर कहता था कि तुमसे शादी करना चाहता हूं। इस दौरान उसने मेरे रूम में आना-जाना शुरू कर दिया जनवरी 20 17 को न्यू ईयर के दिन वह मिलने आया शादी की बातचीत के दौरान उसने संबंध बनाने की बात कही इसके बाद कई बार वीकेंड में रूम पर मिलने आया और संबंध बनाएं। सिमरन ने आरोपी से जब शादी की बात कही तो उसने इनकार करते हुए टाइम पास करने की बात कही। उसका कहना है कि माता-पिता जिस समाज में शादी करेंगे वह वही शादी करेगा इसके बाद बात करना बंद कर दी। जयेश को काफी बार समझाने का प्रयास करती रही, लेकिन उसने बात नहीं मानी। परिवार को जानकारी देने के बाद थाने में केस दर्ज कराया।

महिला तस्कर सहित तीन गिरफ्तार

इंदौर 21 अक्टूबर ब्राउन शुगर और गांजा बरामद किया है

प्राप्त जानकारी के अनुसार मल्हारगंज थाने के सहायक उप निरीक्षक विजय बहादुर सिंह यादव के मुताबिक उन्हें मुखबिर से सूचना मिली थी कि बड़ा गणपति चौराहा स्थित शारदा कन्या स्कूल गेट के पास महिला संदिग्ध वस्तु लेकर खड़ी है। यादव के नेतृत्व में महिला पुलिस कर्मी ने घेराबंदी कर मुस्कान पति मोहित जाट 25 साल निवासी कंदीलपुरा को पकड़ा और तलाशी लेने पर इसके पास से 11 ग्राम ब्राउन शुगर कीमत एक लाख10 हजार रुपए की बरामद की है। मुस्कान से पूछताछ की जा रही है कि वह ब्राउन शुगर कहां से लाई थी और किस सप्लाई कर रही थी। इसी प्रकार लसूड़िया थाने के उप निरीक्षक कैलाश कुमार के मुताबिक बायपास सर्विस रोड पर चेकिंग के दौरान माखन पिता रामचंद्र कुशवाहा 45 साल निवासी तलवाली चंदा को पकड़ा और तलाशी लेने पर 1 किलो 200 ग्राम गांजा बरामद किया है। वही तेजाजी नगर थाने के सहायक उप निरीक्षक प्रदीप सोलंकी के मुताबिक मनावर जिला धार के रहने वाले सरदार नामक व्यक्ति को पकड़ा और उसके पास से एक किलो गांजा बरामद किया है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

पिछले अंक से जारी

सामूहिक आत्मसाक्षात्कार का प्रारंभ

प्रांरभ के पन्द्रह वर्षो तक उनका कार्यक्षेत्र प्राय: गाँवों तक ही सीमित रहा। कभी-कभी वह बैलगाड़ी से गाँवों की यात्रा करती और फिर अगले गाँव के लिए पैदल चल देती । वह फर्श पर या सर्वसाधारण चारपाई पर सोती, सादा खाना खाती, नदी में स्नान करती, शारीरिक सुखों का उनके लिए कोई महत्व ही न था । आत्मा के सुख ही उन्हे आनंद प्रदान करते।''

संयोग से श्री माताजी का विदेश जाना हुआ

उन्ही दिनों (वर्ष 1974) मेरे पति इस पर (अंतर्राष्ट्रीय समुद्रवर्ती संस्था महासचिव) के लिए चुने गये और हम लोग लन्दन गए। जब हम लन्दन आए तो मेरे पास एक ही कार्यक्रम था। विदेशो में आए भारतीयों की परमात्मा में में अधिक दिलचस्पनहहोती,उनकी दिलचस्प पैसों में अधिक होती है अत: कोई भी भारतीय मेरे पास न रुकता था वे सब दौड़ जाते ।शुरु में केवल विदेशी लोगों पर मुझे कार्य करना पड़ा इनमें सात हिप्पी थे, इस सात हिप्पियों की आत्मसाक्षात्कार देने के लिे मुझे उन पर चार साल कार्य करना पडा़ ।वे अत्यन्त दुष्कर थे,उनके जिगर खराब थे उनके मस्तिष्क भटके हुए थे ।यह समय मेरे लिए बहुत ही कठिन था।

बीच-बीच मे मैं भारत भी जाया करती थी। भारत में भी कार्य हो रहा था ।हमेशा तीन महीने मैं भारत रहा करती। हमने गाँवों में कार्य करना शुरु किया,विशेष रुप से आश्चर्य की बात है, उन क्षेत्रों में जहाँ कभी मेरे पूर्वज राज्य किया करते थे।वहाँ पर अत्यन्त जोर-शोर से हमने कार्य आरंभ किया।

बात में हम भारतीयों को विदेश ले जाने लगे। हमने विदेश में भी सर्वत्र जाना आरम्भ किया... आस्ट्रेलिया के कुछ लोगों को भी भारत लाए और इस प्रकार से इस दिशा में आत्मसाक्षात्कार का कार्य प्रगति करने लगा। धीरे-धीरे स्थितियों में सुधार हुआ और लोग जान पाए की इस विधि से हम स्वयं को परिवर्तित कर सकते है। नशे पीने वाले, शराब पीने वाले और पागल लोगों को भी इससे लाभ हुआ, वे व्यसन और रोगों से मुक्त हो गए। ये बात साबित हो गई कि सहजयोग अत्यन्त महत्वपूर्ण मार्ग है।

जब मैंने विश्व में अन्य देशों में जाना आरम्भ किया तो मेरे पति मेरी यात्रा का सारा खर्चा वहन किया करते थे, जहाँ भी मैं जाती मेरा खर्चा वही उठाते। धीरे-धीरे ये लोग (सहजयोगी) मेरी यात्राओं का खर्चा उठाने लगे, परन्तु इसके अतिरिक्त उन्हें मुझे कुछ भी नही देना होता था। इस प्रकार से हमने अपना कार्य आरम्भ किया ।

हमे भयंकर विरोध का भी सामना करना पड़ा क्योंकि मीडिया के लोग तो कभी सहजयोग को समझेंगे ही नहीं, सहजयोग में तो उत्तेजना का पूर्ण अभाव है जिसमें लोग उत्तजित हो जाएँ....फिर भी कुछ महान लोग भी सहजयोग में आए जिनमें एक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे जो अब राष्ट्रपति हैं। इनके अतिरिक्त बहुत से वकील और विधिवक्ता भी सहयोग में आए ।यहाँ पर अल्जीरिया के एक विधिवक्ता भी हैं कुछ डाक्टर भी है। इन लोगों ने कार्यभार सँभाला और सहजयोग के प्रचार-प्रसार में मेरी मदद की।

जब मैं गाँवों में कार्य करती थी तब मैं बैलगाड़ी से जाया करती थी। आप समझ सकते है कि बैलगाड़ी पर मीलों जाना क्या होता है। पर मुझे मालूम था कि मुझे यह सब करना है ।सहजयोगियों को हासिल करने के लिए मुझे उस तरह से काम करना ही था इसके लिए मेरी पूरी तैयारी थी। मुझे अंदर से कभी भी किसी प्रकार की थकान महसूस नही हुई, कभी नही। इसके उपरांत आप सबसे मिलने पर मुझे बहुत आनंद आता है।

मैं तो एक भी क्षण आपको आश्चर्य होगा कि सहजयोग के सिवाय बिताती ही नही थी। हमारे पति के दफ्तर में हजारों आदमी आते हैं,कभी रिसेप्शन होता है तो हजारों आदमियों से हाथ मिलाना पड़ता है तब जागृति देती हूँ, हाथ मिलाते ही जागृति । जिस देश में जाती हूँ उस देश में जागृति देती हूँ,जिससे बात करती हूँ उसको जागृति देती हूँ वो बोलता रहता और उसे मैं जागृति देती रहती हूँ, जहाँ मौका मिलता है वहाँ जागृति देती हूँ।

शेष अगले अंक में)

आपकी धारणा आपकी वास्तविकता को प्रभावित करती है, लाभ नहीं मिल रहा है तो धारणा बदलिए

हमारी धारणा हमारे द्वारा देखी जाने वाली वास्तविकता का निर्माण करती है, यह वैज्ञानिक रूप से साबित हो चुका है कि हमारा मस्तिष्क उस जानकारी को ही प्राथमिकता देता है, जो हमारी मौजूदा धारणा के अनुरूप हो। मनोविज्ञान इस प्रक्रिया को कन्फरमेशन बाइस की श्रेणी में रखता है, जिसमें आप वही देखते और महसूस करते हैं, जो आपकी धारणा और विश्वास से मेल खाता है।

मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि जब भी हम कोई नया कार्य करते हैं, तो हमारे स्वयं के दिमाग में उसका सम्भावित परिणाम पहले से ही बनने लगता है। इसे समझने के लिए एक छोटा सा उदाहरण लेते हैं, मान लीजिए आप डाइनिंग टेबल पर डिनर कर रहे हैं, आपको खाने में नमक कम लगता है, लेकिन टेबल पर नमक नहीं मिलता है, आपकी पत्नी बताती है कि नमक किचेन में नीचे वाली अलमारी में रखा है, जाकर ले आओ। आप तुरन्त यह कहकर मना कर देते हैं, कि नमक आपको नहीं मिलेगा, आप नहीं जाऐंगे।

आपकी पत्नी एक बार फिर जोर देकर कहती है, लेकिन आप उठने के मूड में नहीं हैं, जिसके कारण आप बहाना बनाने लगते हैं कि आपको नमक नहीं मिलेगा। तीसरी बार आपकी पत्नी के कहने पर आप मन मारकर उठ तो जाते हैं लेकिन किचेन में अलमारी समेत कई जगह ढूंढ़ने के बावजूद आपको नमक मिलता ही नहीं है, जिसके कारण मजबूर होकर आपकी पत्नी को किचेन में आना पड़ता है और पहली बार में ही अलमारी में नमक मिल जाता है जो सामने ही रखा होता है। तब आपके उपर यह इल्जाम लगता है कि आपको जिस जगह इतना ढूंढ़ने पर भी नमक नहीं मिला, वहीं पर आपकी पत्नी ने एक ही बार में उसे कैसे ढूंढ़ लिया। निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता है कि आप जो सोचते हैं, जिस प्रकार आपके मन की धारणा है, वह आपके कार्य पर खास प्रभाव डालती है।

आपके अन्तर्मन की धारणा की वजह से ही आपका दिमाग उस कार्य से जुड़ा एक काल्पनिक वातावरण तैयार करता है, जो आपकी सफलता या असफलता का जिम्मेदार होता है। आपके मन में कार्य की सफलता के प्रति विश्वास होना बहुत जरूरी है। जैसे कि किचेन से नमक लाने के बारे में आपने यह धारणा पहले ही बना ली, कि नमक आपको नहीं मिलेगा, जिसके कारण आपके दिमाग ने इसी धारणा पर कार्य किया और किचेन में आपको नमक नहीं मिला।

जितनी ज्यादा आप दूसरों की मदद करेंगे, उतनी ज्यादा ईश्वरीय शक्ति आपकी मदद करेगी

जब हम नि:स्वार्थ भाव से दूसरों की मदद करते हैं, तो ईश्वर या ब्रह्माण्ड हमारी सहायता करता है। हमारे अच्छे कर्मों का फल हमें अवश्य मिलता है। हृदय को स्वच्छ और निर्मल रखना महत्वपूर्ण है, ताकि ईश्वरीय शक्ति हमारी मनोकामनाओं को पूर्ण कर सके। सेवा को सभी धर्मों में सर्वोपरि माना गया है।

जब हम दूसरों के लिए नि:स्वार्थ भाव से अच्छा कार्य करते हैं, तो ईश्वर या ब्रह्माण्ड स्वत: ही हमारी मदद करता है, आपके अच्छे कर्मों का फल आपको प्रतिफल के रूप में अवश्य मिलता है। जितनी ज्यादा आप दूसरों की मदद करेंगे, उतनी ज्यादा ईश्वर आपकी मदद अपने आप करेगा। हमारे जीवन में घटित होने वाली प्रमुख घटनाऐं ईश्वर या किसी उच्च शक्ति के नियंत्रण में रहती हैं। ईश्वर ग्रह-नक्षत्रों के माध्यम से हमारे जीवन की दिशा निर्धारित करता है। प्रत्येक व्यक्ति कर्म और प्रयास करता है, लेकिन अंतिम परिणाम ईश्वर की इच्छा के अनुसार ही होता है।

हृदय, एक पात्र

हृदय को एक पात्र समझिए, अगर हृदय रूपी पात्र खाली और स्वच्छ होगा, तो उसमें कोई भी वस्तु समा जाएगी परन्तु अगर पात्र में पहले से ही कुछ भरा होगा तो उसमें कोई भी वस्तु नहीं आ पाएगी, ईश्वरीय शक्ति निर्मल हृदय पर अपनी अनुकम्पा प्रदान करती है। दान आदि कर्मों से मनुष्य के हृदय की भावना का पता चलता है, मनुष्य की चालाकी, उसकी बुद्धि पर निर्भर करती है एवं उसका परोपकार, सद्कर्म, हृदय के माध्यम से परिलक्षित होता है। हृदय के पात्र में अगर राग, द्वेष, ईर्ष्या भरी हुई है, तो कितनी भी पूजा-पाठ क्यों न कर लें, पूर्ण लाभ नहीं मिल पाता है, लेकिन जिनके हृदय में दूसरों के प्रति सद्भावना एवं निर्मलता होती है, उनका पवित्र हृदय उन्हें तीर्थ के समान फल देता है और उनके पूजा-पाठ शीघ्र ही फलीभूत होकर उनकी मनोकामनाओं को पूर्ण करते हैं।

ईश्वरीय शक्ति कब सब कुछ देती है

ऊपर से हम अच्छे हैं, संपन्न हैं, परंतु किसी गरीब की मदद नहीं करना चाहते, गुरु की सेवा नहीं करना चाहते, किसी का भी कल्याण नहीं करना चाहते हैं, केवल स्वार्थ की पूर्ति के उद्देश्य से कार्य करते हैं, तो हम प्रकृति के नियम के विपरीत होते हैं और भविष्य में अपने स्वयं के कल्याण से वंचित रहते हैं। आपने देखा होगा लोग गरीबों की बस्ती में जाकर सेवा करते हैं, इसलिए नहीं कि वह गरीबों पर उपकार कर रहे हैं, बल्कि इसलिए क्योंकि ऐसा करने से उनके स्वयं का कल्याण होता है, यह रहस्य प्रत्येक व्यक्ति नहीं समझ पाता है। जब हम दूसरों का कल्याण करते हुए आगे बढ़ते हैं, तो हम दिन-दूनी रात-चौगुनी तरक्की निरन्तर करते ही रहते हैं, इसलिए सभी धर्मों में सेवा को सर्वोपरि माना गया है।

सलीम खान के बाद अब सोमी अली पर भड़का बिश्नोई समाज, कहा- सलमान खान की जगह..

बिश्नोई महासभा के जोधपुर जिला अध्यक्ष ने कहा है कि सलमान खान ने ही काले हिरण का शिकार किया था. बिश्नोई समाज का आक्रोश कम करने के लिए सलमान खान को खुद सामने आकर माफी मांगनी चाहिए.

साल 1998 में फिल्म हम साथ-साथ हैकी शूटिंग के दौरान फिल्मी सितारों ने काले हिरण का शिकार किया था. 26 साल बाद सलमान खान के पिता सलीम खान ने एबीपी न्यूज़ पर दिए इंटरव्यू में कहा कि सलमान खान ने आज तक कोई कॉकरोच तक नहीं मारा. इस बयान के बाद बिश्नोई समाज भड़क गया है और काला हिरण शिकार मामला फिर सुर्खियों में आ गया है.

सलीम खान के बयान के बाद बिश्नोई समाज आक्रोशित है. दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की ओर से सलमान खान को लगातार धमकी मिल रही है. इस बीच उत्तर प्रदेश के सांसद ने सलमान खान से बिश्नोई समाज से सोशल मीडिया पर माफी मांगने की सलाह दी. बिश्नोई समाज माफ करने के मूड में नजर नहीं आ रहा है.

सलमान खान बिश्नोई समाज का दोषी

बिश्नोई महासभा के जोधपुर जिला अध्यक्ष नारायण डाबड़ी ने एबीपी न्यूज़ से खास बातचीत करते हुए कहा कि सलमान खान बिश्नोई समाज का दोषी है. अगर उसे समाज से माफी चाहिए तो वो खुद आकर माफी मांगे. हो सकता है कि इससे समाज में चल रहा आक्रोश कम हो जाए, लेकिन न्याय प्रक्रिया तो वैसे ही चलेगी, कोर्ट जो भी फैसला करेगा, उसे समाज स्वीकार करेगा.

नारायण डाबड़ी ने कहा, सलमान खान ने शिकार किया था. उसके चलते सलमान खान के विरुद्ध चार मामले भी दर्ज हुए थे. सलमान खान को जेल भी जाना पड़ा. अगर उनके पिता कहते हैं कि उन्होंने कॉकरोच भी नहीं मारा तो हिरण को किसने मारा? सलमान खान को चश्मदीद गवाहों ने पहचाना. सभी सबूत गवाह के बाद कोर्ट ने उनको सजा भी सुनाई है.

जिसने गुनाह किया, वही सजा काटेगा- बिश्नोई समाज

वहीं, सलमान खान की एक्स गर्लफ्रेंड सोमी अली ने बयान जारी कर कहा है, मैं भारत आकर बिश्नोई समाज से सलमान खान के लिए माफी मांगना चाहती हूं. समाज सलमान खान को माफ करे.

इस पर बिश्नोई महासभा के जोधपुर जिला अध्यक्ष नारायण डाबड़ी ने कहा कि जिसने गुनाह किया है, उसी को माफी मांगनी चाहिए. मैं सोमी अली से यह पूछना चाहता हूं कि अगर सलमान खान को कोर्ट से सजा हुई तो उनकी जगह वह सजा काटेंगी?

कौन है वो खिलाड़ी... जिसे सीरीज के बीच में किया गया टीम में शामिल, 4 टेस्ट में जड़ चुका 3 हाफ सेंचुरी

नई दिल्ली. भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की शुरुआत बेहद खराब की है. पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में ना तो बल्लेबा चले और ना ही गेंदबाज. ऐसे में भारत को इस टेस्ट मैच में हार मिली. लेकिन दूसरे टेस्ट से पहले टीम इंडिया ने अपने साथ एक नए खिलाड़ी को जोड़ा है. इस खिलाड़ी का नाम है वाशिंगटन सुंदर. जो एक ऑलराउंडर हैं. सुंदर बल्लेबाजी के साथ साथ स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं. 25 साल के इस खिलाड़ी को आखिरी बार टेस्ट मैच खेले हुए 3 साल से ज्यादा का समय हो गया है. उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट 4 मार्च 2021 को इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद में खेला था. लंबे समय बाद सुंदर टीम इंडिया में वापसी करने जा रहे हैं.

भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला 24 अक्टूबर से पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाएगा. सीरीज के पहले टेस्ट मैच में कीवी टीम ने 8 विकेट से बाजी मारी थी. ऐसे में टीम इंडिया को हर हाल में दूसरा टेस्ट मैच जीतना होगा. जानें दूसरे टेस्ट में टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन कैसी हो सकती है.

5 अक्टूबर 1999 को चेन्नई में जन्मे वाशिंगटन सुंदर ने जनवरी 2021 में टेस्ट में डेब्यू किया था. तब से लेकर अब तक उन्होंने सिर्फ 4 टेस्ट मैच खेले हैं. इस दौरान 6 पारियों में उन्होंने 3 हाफ सेंचुरी जड़ी है. सुंदर की बल्लेबाजी औसत 66 से उपर की है. 4 टेस्ट मैचों में सुंदर ने अपनी ऑफ स्पिन गेंदबाजी से 6 विकेट भी चटकाए हैं. सुंदर को अगर प्लेइंग इलेवन में मौका मिलता है तो वह बॉलिंग ऑप्शन के साथ साथ बैटिंग में गहराई प्रदान करेंगे.

बजरंग और विनेश के ट्रायल्स से छूट लेने से प्रदर्शन की छवि प्रभावित हुई, साक्षी का बड़ा बयान

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पूर्व पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि पिछले साल विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया का एशियाई खेलों के ट्रायल्स से छूट लेने के फैसले से बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ उनके विरोध प्रदर्शन की छवि प्रभावित हुई क्योंकि इससे यह अभियान स्वार्थी दिखने लगा। साक्षी इस विरोध प्रदर्शन के तीन मुख्य पहलवानों में से एक थीं, उन्होंने हाल में रिलीज हुई अपनी किताब 'विटनेस' में इसके अलावा अपने करियर के संघर्षों के बारे में भी लिखा है। उन्होंने लिखा कि जब बजरंग और विनेश के करीबी लोगों ने उनके दिमाग में लालच भरना शुरू किया तो उनके विरोध प्रदर्शन में दरार आने लगी।

इन तीनों ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख शरण सिंह पर अपने कार्यकाल के दौरान महिला पहलवानों के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगया था और मामला दिल्ली की अदालत में चल रहा है। डब्ल्यूएफआई के निलंबन के बाद तदर्थ समिति ने कुश्ती का कामकाज देखना शुरू किया जिसने बजरंग और विनेश को 2023 एशियाई खेलों के ट्रायल्स में छूट दी लेकिन साक्षी ने अपने साथियों के सुझाव के बावजूद ऐसा नहीं करने का फैसला किया। अंत में साक्षी हिस्सा नहीं ले सकीं लेकिन विनेश खेलों से पहले चोटिल हो गईं और बजरंग पदक जीतने में असफल रहे। साक्षी की आत्मकथा के जोनाथन सेल्वाराज सह लेखक हैं। इसमें साक्षी ने हालांकि उन लोगों के नाम का खुलासा नहीं किया जिन्होंने बजरंग और विनेश को प्रभावित किया। साक्षी ने लिखा, %पहले की तरह स्वार्थी सोच फिर से हावी होने लगी। बजरंग और विनेश के करीबी लोगों ने उनके दिमाग में लालच भरना शुरू कर दिया। वे खेलों के लिए ट्रायल्स से छूट लेने की बात करने लगेउन्होंने लिखा, %बजरंग और विनेश के ट्रायल्स से छूट लेने का अच्छा असर नहीं पड़ा।

आमजन के प्रति पुलिस सजग, संवेदनशील और विनम्र रहे -राज्यपाल श्री पटेल

राज्यपाल ने पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि

शहीद परिजन से आत्मीय मुलाकात कर कहा - प्रदेश की जनता, सरकार, पुलिस और प्रशासन आपके साथ

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में पुलिस, सशक्त समाज का आधार होती है। पुलिस की सक्रियता और उसका व्यवहार आम आदमी को सुरक्षित महसूस कराता है। आमजन के प्रति पुलिस सजग, संवेदनशील और विनम्र रहे। राज्यपाल श्री पटेल पुलिस स्मृति दिवस पर भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शहीद स्मारक पर पुष्पाजंलि अर्पित कर शहीद पुलिस कर्मियों के परिजन से आत्मीय मुलाकात की। कार्यक्रम में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन भी मौजूद थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि पुलिस, समाज का अभिन्न हिस्सा है। पुलिस की सक्रिय भागीदारी के बिना विकास की सोच को फलीभूत करना संभव नहीं है। विकास के लिए समाज में शांति, सद्भाव और भाईचारे का वातावरण बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि हम सब के लिए गर्व की बात है कि मध्यप्रदेश पुलिस की गणना देश के श्रेष्ठ बलों में की जाती है। प्रदेश पुलिस ने 'देशभक्ति-जनसेवा' के सूत्र वाक्य को सार्थक किया है। कर्त्तव्यनिष्ठा के उच्च प्रतिमान के साथ कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

बदलती परिस्थितियों में पुलिस स्वयं को निरंतर अपडेट रखे

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि पुलिस की बड़ी जिम्मेदारी है कि कानून-व्यवस्था को सुनिश्चित करते हुए देश-प्रदेश की अखंडता, सामाजिक और सांस्कृतिक सद्भाव को बनाए रखें। जनता से समन्वय बनाए रखना भी पुलिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बदलती परिस्थितियों के अनुरूप पुलिस स्वयं को निरंतर अपडेट रखे। राज्यपाल श्री पटेल ने एक ही दिन में सवा लाख पौधे रोपने, सभी जिलों में पुलिस बैंड और महिला थाना की स्थापना, पुलिस परिवारों के लिए 25 हजार मकान बनाने के लक्ष्य एवं 950 महिला ऊर्जा डेस्क की स्थापना जैसे कार्यों के लिए प्रदेश पुलिस की सराहना की।

राज्यपाल श्री पटेल को कार्यक्रम में पाल-बेयरर पार्टी द्वारा शहीद जवानों की सम्मान सूची सौंपी गई। पार्टी द्वारा परेड सलामी की समस्त कार्यवाही की गई। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर कुमार सक्सेना ने श्रद्धांजलि उद्बोधन दिया। उन्होंने 21 अक्तूबर 1959 को लद्दाख के दुर्गम इलाकों में हुई भारतीय जवानों के शौर्य और शहादत को नमन् किया। साथ ही मध्यप्रदेश पुलिस के शहीद जवानों को भी श्रद्धा-सुमन अर्पित किये। वरिष्ठ प्रशासनिक, पुलिस अधिकारियों और विशिष्टजनों ने शहीद स्मारक पर पुष्पाजंलि अर्पित की। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव श्री एस.एन. मिश्रा, एडीजी श्री शापू, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, सेनानिवृत्त पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी और शहीद पुलिसकर्मियों के परिजन उपस्थित रहे।

13 फ्लाई ओवर से आसान होगा इंदौर का ट्रैफिक

858.79 करोड़ रुपए की लागत से 2 साल के भीतर होंगे तैयार

इन ब्रिजों का निर्माण कर रहा PWD

बाणगंगा रेलवे ओवर ब्रिज:
2 लेन है। लागत 35.59 करोड़ रुपए है। काम अगस्त 2023 में शुरू हुआ था। पूरा होने की समय सीमा 24 माह यानी अगस्त 2025 तक रखी है।

हरनियाखेड़ी-महू रेलवे ओवर ब्रिज:
2 लेन है। लागत 18.76 करोड़ रुपए है। काम नवंबर 2022 में शुरू किया था। इस ब्रिज को पूरा होने में 24 महीने लगेंगे। विभाग ने दावा किया था कि यह अक्टूबर 2024 तक पूरा बन जाएगा।

लसूड़िया मोरी रेलवे ओवर ब्रिज:
2 लेन ब्रिज की लागत 31.53 करोड़ रुपए है। इस ब्रिज को पूरा करने की समय सीमा 2026 तक की रखी है।

मांगलिया रेलवे ओवर ब्रिज:
काम दिसंबर 2023 में शुरू हुआ था। यह 2 लेन का ब्रिज 34.72 करोड़ रुपए में तैयार किया जा रहा है। पूरा होने में 24 महीने का समय लगेगा। विभाग इसे नवंबर 2025 तक पूरा करने की बात कह रहा है।

पोलोग्राउंड रेलवे ओवर ब्रिज:
काम सितंबर 2023 में शुरू हुआ था। यह 2 लेन का ओवर ब्रिज 35.93 करोड़ रुपए की लागत से पूरा होगा। विभाग ने इस ब्रिज का कार्य पूर्ण होने की समय सीमा अगस्त 2025 रखी है।

रेतीमंडी रेलवे ओवर ब्रिज:
4 लेन ब्रिज की लागत 38.33 करोड़ रुपए है। काम मई 2023 में शुरू हुआ था। मई 2025 तक पूरा होने का दावा है। लेकिन, जानकारों का कहना है कि यह अगस्त 2025 तक ही पूरा हो पाएगा।

इंदौर में 11 फ्लाई ओवर का काम चल रहा है। 2 फ्लाई ओवर के टेंडर होना बाकी है। 3 विभाग मिलकर इन 13 फ्लाई ओवर ब्रिज का निर्माण करेंगे। 858.79 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले इन फ्लाई ओवर से दो सालों में शहर का ट्रैफिक लोड काफी हद तक कम हो जाएगा।

लोक निर्माण विभाग (PWD) 6 रेलवे ओवर ब्रिज (FOB) का निर्माण कर रहा है, जो 2025 से 2026 तक पूरे हो जाएंगे। इसी तरह आईडीए भी 3 ब्रिज बना रहा है। इसमें शहर के लवकुश चौराहे पर दो ऐसे ब्रिज हैं, जिसमें एक ब्रिज आने का और दूसरा ब्रिज जाने का रहेगा। इन दोनों ब्रिज के बीच से मेट्रो गुजरेगी। यह ब्रिज प्रदेश का सबसे महंगा है। इन दो विभागों की तरह ही एमपीआरडीसी भी 4 फ्लाई ओवर ब्रिज का निर्माण कर रहा है।

पहली बार बो स्टिंग तकनीक का इस्तेमाल

इंदौर में पहली बार MPRDC ने बो स्टिंग तकनीक का इस्तेमाल किया है। देवास नाका, मूसाखेड़ी और आइटी पार्क चौराहे के फ्लाई ओवर ब्रिज इस तकनीक से ही तैयार किए जा रहे हैं। बो स्टिंग तकनीक से फ्लाई ओवर के पिलर के बीच 35 मीटर गैप की जगह 75 मीटर गैप दिया जा सकता है।

इस दौरान पिलर की बजाय फ्लाई ओवर के ऊपर स्टील की धनुष नुमा आकृति बनाई जाती है। इस आकृति में कई क्रॉस करते हुए कई टुकड़ों में फ्लाई ओवर का भार बांट दिया जाएगा। इससे फ्लाई ओवर में नीचे जो 75 मीटर का गैप हुआ है, उससे पुल में कोई भी कमजोरी नहीं आएगी। सामान्य तौर पर आपने स्टील के ऐसे ब्रिज रेलवे में देखे होंगे।

ढ्ढ के 7 ओवरब्रिज में 3 का हो चुका लोकार्पण

इंदौर विकास प्राधिकरण (IDA) शहर में कुल 396.54 करोड़ रुपए की लागत से 7 फ्लाईओवर ब्रिज बना रहा है। 2 पूल टेंडर प्रकिया में है, जिनकी लागत 68 करोड़ रुपए प्रस्तावित है। वहीं, ढ्ढ के फूटी कोठी और भंवरकुआं ब्रिज के साथ ही खजराना फ्लाई ओवर की एक भुजा और लवकुश चौराहे पर बन रहे फ्लाईओवर की एक भुजा का लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कर चुके हैं।

इन दोनों फ्लाई ओवर की बची हुए एक भुजा का काम भी इस साल के अंत तक पूरा हो जाएगा। इन ब्रिज के अलावा लवकुश चौराहे पर डबल डेकर फ्लाईओवर ब्रिज बनाया जा रहा है। ब्रिज 173.44 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा।

19 और नए फ्लाई ओवर बनाने का प्रस्ताव

इंदौर में इस समय 20 से ज्यादा फ्लाईओवर हैं। यह प्रदेश में सबसे ज्यादा है। एक दर्जन से ज्यादा फ्लाई ओवर को बनाने का काम तेज गति से चल रहा है। इनके प्रशासन ने 19 और नए फ्लाई ओवर बनाने का प्रस्ताव तैयार किया है। इन फ्लाई ओवर के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद तीन साल के अंदर यह बनकर तैयार हो जाएंगे।

प्रशासन ने राजीव गांधी चौराहा, गोपूर चौराहा, चाणक्यपुरी चौराहा, महू नाका चौराहा, बड़ा गणपति चौराहा, एमआर 9 एबी रोड, एमआर 9 रोबोट चौराहा, कनाडिया रोड़ बायपास कॉरिडोर, टीपीएस 4 और 5 के बीच, बॉम्बे हॉस्पिटल चौराहे के बीच, एमआर 12, एमआर 10 बायपास, एमआर 10 आरओबी चौड़ीकरण, मरीमाता चौराहा तीन लेन, गांधी नगर, एलआइजी चौराहा, इंडस्ट्री हाउस चौराहा, गीता भवन, शिवाजी वाटीका से जीपीओ और नौ लखा चौराहा पर नए फ्लाई ओवर बनाने का प्रस्ताव किया है।

4 ब्रिजों का निर्माण कर रहा MPRDC

मूसाखेड़ी फ्लाई ओवर ब्रिज:
6 लेन ब्रिज की लागत 67.51 करोड़ रुपए आएगी। लंबाई 855 मीटर है। मई 2024 में शुरू हुआ काम 2025 तक पूरा हो जाएगा।

निरंजनपुर- देवास नाका चौराहा ब्रिज:
काम इसी साल 2024 में शुरू हुआ है। लागत 74.49 करोड़ रुपए आएगी। समय सीमा 24 महीने रखी है। लंबाई 896 मीटर है।

IT पार्क फ्लाई ओवर ब्रिज:
लागत 63.33 करोड़ रुपए। 6 लेन ब्रिज का काम 8 महीने पहले शुरू हुआ था। 24 महीने की समय-सीमा पूरा होने का लक्ष्य है। लंबाई 830 मीटर है।

सत्य सांई चौराहा फ्लाई ओवर ब्रिज:
6 लेन का ब्रिज को बनाने में 62.33 करोड़ रुपए की लागत आएगी। काम इसी साल शुरू किया है। सितंबर 2025 तक पूरा होगा।

अज्ञात व्यक्तियों द्वारा भगवान की मूर्ति के साथ छेड़छाड

इंदौर के ग्राम बाघ में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा भगवान की मूर्ति के साथ छेड़छाड़ की जिसकी जानकारी सामाजिक कार्यकर्ता बैरागी जी एवं शिहाशा सरपंच नारायण चौहान ने पुलिस प्रशासन को जानकारी दी इंदौर आदित्य शर्मा । ग्राम बाघ में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा भगवान भेरुनाथ की मूर्ति के साथ छेड़ छाड़ करी एवं मूर्ति को अपने स्थान से अलग कर दिया जिसकी जानकारी रहवासियों को लगते ही रहवासियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा पुलिस प्रशासन को सूचना दी एवं बजरंग दल के कार्यकर्ता में मौके पर इकट्ठा हुए एवं पुलिस प्रशासन को इस कृत्य की शिकायत करी जिससे पुलिस प्रशासन मौके पर आया और घटना का जायजा लिया वही बजरंग दल के कार्यकर्ताओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा पुनः मूर्ति को अपने स्थान पर स्थापित किया गया एवं वही बजरंग दल द्वारा कहा गया कि कही न कही ये घटना हिन्दू भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए की गई हे ...!

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रिजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)